FINAL EXAMINATION
YEAR 2019-20
Std. - : X (CBSE)
Subject : Hindi
Model Answer

B

खंड – क (10)
(अपठित अंश)

1) क) अहमदनगर का किला भारत के प्राचीन किलो मे से एक है। यह किला जनता की रक्षा के लिए बनवाया गया था। (2)
ख) चाँद बीबी ने मुगलों का डटकर सामना किया क्योंकि मुगल इस किले को तोड़कर खंडहर बना देना चाहते थे। (2)
ग) नेहरू जी ने कैदी जीवन में बंदी रहकर 'भारत की खोज' नामक प्रसिद्ध पुस्तक की रचना कर अपने समय का सही उपयोग किया। (2)
घ) हमारे देश के सपूतों ने अनेक कष्टो को सहकर हमें आजादी दिलाई। तब जाकर हमे आजादी प्राप्त हुई। (2)
ङ) एकता और अखंडता से यह अभिप्राय है कि – भारत की एकता और अखंडता के लिए भारत के वीर सपूतो ने अपने प्राणो का बलिदान तक दे दिया पर भारत की एकता और अखंडता को बरकरार रखा तो हमें भी उनका यह त्याग व्यर्थ नहीं होने देना चाहिए। (1)
च) क्रांतिकारियों को सपूत कहना 100% उचित है क्योंकि इन्हीं क्रांतिकारियों ने देश क सपूत बनकर अनेक कष्टों को सहकर हमें आजादी दिलाई। ये न होते तो आज भी हम भारतवासी गुलामी का जीवन जी रहे होते। (1)

खंड – ख (16)
(व्यावहारिक व्याकरण)

2) जब तक शब्द कोश में या स्वतंत्र रूप में रहते है तब तक वे शब्द कहलाते है। परंतु जब वे वाक्य में प्रयुक्त होते है तब वे पद बन जाते है।
उदारहण – कमल – स्वतंत्र। शब्द कमल कीचड़ में खिलता है यहाँ कमल पद बन गया है। (1)

3) क) वह घर से निकला और उसे बस मिल गई। (3)
ख) रात होने पर भी चाँद नही निकला।
ग) जब शीला बाजार गई तो पुस्तक खरीद लाई।

4) क) गाय का गर्म दूध स्वास्थ्यवर्धक होता है। (4)
ख) रोटी तो मिल गई लेकिन सब्जी नही मिली।
ग) देश सदा महात्मां गांधी जी का आभारी रहेगा।
घ) मुझे माता जी बहुत प्यार करती है।

	समस्त पद		विग्रह	
5) क)	1) आत्मविश्वास	–	आत्म पर विश्वास (अधिकरण तप्तुरूष समास)	(2)
	2) दिन चर्या	–	दिन की चर्चा (संबंध तत्पुरूष समास)	
ख)	1) पीत हे जो अंदर	–	पीतांबर (कर्मधारय समास)	
	2) चार मासों का समाहार	–	चौंमासा (द्विगु (तत्पुरूष) समास)	

6) क) बीड़ा उठाना – रामूने अपने छोटे–भाई की शिक्षा का बीड़ा उठा लिया। (1)
ख) श्याम के पिताजी ने अपनी दुकान का श्री गणेश अपनी माँ के हाथो किया। (1)
ग) राहुल ने वाद–विवाद प्रतियोगिता में विरोधी पक्ष के दाँत खट्टे कर दिए। (1)

घ) कक्षा में शिक्षक की अनुपस्थिती में बच्चो ने आसमान सिर पर उठा लिया। (1)

खंड – ग (28)

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7) क) अध्ययनशीलता का दिखावा करना – हरदम किताब खोले बैठना। कभी कॉपी पर, किताब के हाशियो पर चिड़ियों, कुत्ता, बिल्लियों की तस्वीरे बनाना। कभी एक ही नाम या वाक्य को 10–20 बार लिखना और छोटे भाई को बड़े – बड़े उपदेश देना। (2)

ख) तँतारा की तलवार के बारे में लोग सोचते थे कि तलवार में कोई दैवीय शक्ति है। लकड़ी की होने के बावजूद अपने भीतर विलक्षण रहस्यों को अपने भीतर समाहितरहती थी। (2)

ग) कौंसिल की ओर से नोटिस निकला कि ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर मोनुमेंट के नीचे झंडा फहराया जायेगा और स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी। (2)

घ) तैयारियाँ – बड़े बाजार के प्रायः मकानो पर राष्ट्रीय झंडा फहरा रहा था, कई मकानो को सजाया गया था। कलकत्ते के प्रत्येक भाग में झंडे लगाये गए थे। जिस रास्ते से मनुष्य जाते थे उसी रास्ते में उत्साह और नवीनता मालूम होती थी। (2)

8) व्यवहारिकता की प्रधानता – व्यवहारिकता के सामने आदर्श अपने आप पीछे हटने लगते है और व्यवहारिक बाते ही आगे दृष्टिगोचर होती है जैसे गिन्नी का सोना पाठ में सोना पीछे रहकर ताँबा ही सामने आता है।

शुद्ध आदर्श भी शुद्ध सोने के जैसे ही होता है। चंद लोग उनमें व्यवहारिकता का थोड़ा सा ताँबा मिला देते है और चलाकर दिखाते है। (5)

अथवा

व्यक्तित्व – उपदेश देना, दिखावा करना

पढ़ाई में मन न लगना फिर भी पढंतू बनने का नाटक करना। बे फिजूल के बड़े–बड़े उदाहरण देकर छोटे भाई को समझाना बिना सिर पैर की बाते करना, बड़े भाई बनने का रौब झाड़ना आदि।

9) क) कबीर के अनुसार हमेशा मीठी वाणी बोलनी चाहिए क्योंकि मीठी वाणी बोलने से अपने मन को शीतलता प्रदान होती है और दूसरो को भी सुख मिलता है। (2)

ख) विनंती – मीरा की पीड़ा हरने की प्रभु से विनंती जैसे आपने द्रोपदी की लाज रखी वैसे प्रभु मेरी भी पीड़ा हर लो। (2) जैसे गजराज को बचाया आपने वैसे ही मुझे भी प्रभु बचाओ, मै तुम्हारी दासी हूँ, मेरी पीड़ा हर लो प्रभु । ऐसी मेरी आपसे विनंती है।

ग) कवि के अनुसार वही मृत्यु सुमृत्यु है जिस मृत्यु को लोग याद करे। जो मरकर भी लोगो के दिलो में जिंदा रहे।(2)

घ) 'तोप' कविता में तोप को दो बार चमकाने की बात की गई है ये दो अवसर 15 अगस्त और 26 जनवरी है। (2)

10) आत्मत्राण कविता में कवि न तो ईश्वर से कठिनाईयों को कम करने की प्रार्थना करते है न किसी भी प्रकार की सहायता माँगते है वह तो बस इतनी प्रार्थना करते है कि हर कठिन परिस्थिती का सामना वह स्वयं कर सके इतनी शक्ति व हिम्मत वे ईश्वर से माँगते है।

अथवा

कबीर के दोहों की प्रासंगिकता कबीर के दोहों की शिक्षा प्रत्येक काल में हमेशा मीठी वाणी का उपयोग, आपसी विश्वास ईश्वर के प्रति आस्था, अहंकार को मिटाना, झूठ–पाखंड का विरोध, निंदकों को समीप रखने की सलाह आदि।

11) क) हरिहर काका को जबरन उठा ले जाने वाले ठाकुर बारी के महंत थे। उनका हरिहर काका के साथ बर्ताव गुंडागर्दी कर मारपीट करना – हिंसा पर उतर आना – उन्हे बंधक बनाकर जबरदस्ती अँगूठा लगवाना – उन्हे एक कमरे में बंद कर देना इत्यादि। (3)

ख) पाठ 'सपनो के से दिन' मे विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए अनेक प्रकार के शारीरिक दंड उन्हे दिये जाते थे उन्हे इतना पीटते थे कि शरीर की चमड़ी उधेड देते थे। बच्चे चक्कर खाकर गिर जाते थे जो सरासर अन्याय है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली में प्यार समझ–सूझ–बूझ व बच्चों की समस्या की जड़ तक पहुँचकर, उसका समाधान करने में विश्वास। शारीरिक दंड को आज की वर्तमान शिक्षा प्रणाली में कोई स्थान नहीं। (3)

खंड – घ (26)
(लेखन)

12) **अनुच्छेद लेखन** (6)

प्रारूप – 2 अंक
विषय वस्तु – 2 अंक
भाषा – 2 अंक

13) **पत्र लेखन** (5)

पत्र प्रारूप – 2 अंक
विषय वस्तु – 2 अंक
भाषा – 1 अंक

14) **सूचना लेखन** (5)

सूचना प्रारूप – 2 अंक
विषय वस्तु – 3 अंक

15) **संवाद लेखन** (5)

भाषा शैली – 2 अंक
विषय वस्तु – 3 अंक

16) **विज्ञापन लेखन** (5)

प्रारूप – 2 अंक
विषय वस्तु – 2 अंक
भाषा – 1 अंक

****

EduCare
Home of innovative education...